NT>
Title: Raised the issue on the division of Bihar State.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन के सामने एक बहुत गंभीर मामला लाना चाहता हूं। यह सरकार जो आज यहां बैठी है, यह कोई अच्छा काम तो कर नहीं सकती।

लेकिन बहुत जल्दी में न जाने कितने बिल सदन के सामने रख रही है। एक बिल, जिसके बारे में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, वह बिहार के विभाजन से संबंधित है, जिसको कैबिनेट ने पास करने का काम किया है। मैं इसी मामले को सदन में उठाना चाहता हूं। बड़े अफसोस की बात है कि बिहार एसेम्बली में जो प्र ापोजल यहां से गया था, उसको नकारने का काम किया था, पूरे सदन ने वहां पर वोटिंग करके रिजैक्ट करने का काम किया था

... (व्यवधान)

श्रीमती आभा महतो (जमशेदपुर) : उसमें बहुमत भी होता है।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : मुझे बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

बिहार एसेम्बली ने इस प्रपोजल को रिजैक्ट करके भारत सरकार के पास भेजने का काम किया है और कहा है कि बिहार का विभाजन किसी भी तरह से बिहार को मंजूर नहीं है। मैं आज भारत सरकार पर इल्जाम लगाना चाहता हूं, वह इनस्टिगेट करके बिहार के वातावरण को खराब करना चाहती है। बिहार एक रहना चाहता है और किसी भी लिहाज से बंटना नहीं चाहता है। किसी भी राज्य को बांटने के लिए कुछ चीजें होती हैं, उनको सामने रखकर ही किसी राज्य का बंटवारा होना चाहिए

... (व्यवधान)

महोदय, यह बहुत ही सीरियस मामला है। ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सीरियस मामला है, इसीलिए आपको मौका दिया है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : वहां पर लोग हथियार लेकर सड़क पर निकल आयेंगे ... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Fatmi, what do you want the Government of India to do? You may ask them to do it.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : इससे पूरे देश को नुकसान होगा, अगर बिहार डिसटर्ब होता है।

... (व्यवधान)

यह मामूली मामला नहीं है, इसको सुना जाए।

... (व्यवधान)

अगर भारत सरकार छोटे राज्य बनाना चाहती है, तो उसको एक कमीशन बनाना चाहिए और देखना चाहिए कि छोटे राज्य बनाने से उस क्षेत्र को फायदा होता है या नहीं होता है। इस बारे में मंत्री जी को जवाब देना चाहिए।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

>

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, यह बिहार का मामला है और बिहार विधान सभा ने अस्वीकार कर दिया है। इस पर भी भारत सरकार जन विरोधी और बिहार ि वरोधी कार्यवाही करने की कोशिश कर रही है।

... (व्यवधान)

भारत सरकार का यह काम नहीं है कि बिहार के लोगों को हितों के साथ खिलवाड़ करने का काम करे।

... (व्यवधान)

भारत सरकार क्या चाहती है?

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Minister wants to say something.

>

>

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): उपाध्यक्ष महोदय, आपने ठीक कहा कि देश के अनेक भागों में छोटे राज्य बनाने की बात चली और मांग हो रही है। इस सरकार ने केवल उन तीन राज्यों को चुना, जिनकी विधान सभाओं ने यह प्रस्ताव पारित किया था कि यहां एक राज्य बनाना चाहिए।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : बिहार एसेम्बली ने उस प्रस्ताव को रिजैक्ट करने का काम किया है।

MR> DEPUTY SPEAKER: Let the Minister complete it.

श्री मदन लाल खुरानाः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे निवेदन किया कि इस सरकार ने केवल तीन राज्यों को चुना, जिनकी विधान सभाओं ने सर्वसम्मति से यह प्र ास्ताव पारित किये हुए थे। जिन राज्यों में कन्ट्रोवर्सी थी, कुछ चाहते थे, कुछ नहीं चाहते थे, उनको नहीं लिया। इन तीनो राज्यों में विभाजन होना चाहिए, नए राज्य का उदय होना चाहिए

... (व्यवधान)

---

* Not recorded

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : जो प्रस्ताव था, उसको खारिज कर दिया। ...

(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः मुझे बात कहने दीजिए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमीः आप अपनी बात वापिस लीजिए।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : फातमी साहब, आप मेरी बात सुन लीजिए, आप सीनियर मेम्बर हैं। अगर संसदीय कार्य मंत्री यहां ऐसा कुछ गलत बयान करते हैं तो उनके ऊपर आपको प्रिविलेज का राइट बनता है। आप इस प्रकार से यहां क्यों करते हैं।

Whatever he says here is on record. You have got several methods to find a way out. Otherwise, how can we complete this?

श्री मदन लाल खुरानाः महोदय, यह कोई तरीका नहीं है, ये मुझे पूरी बात भी नहीं कहने दे रहे.

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not interrupt. The Minister of Parliamentary Affairs may speak now.

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, विधानसभा में जिस प्रस्ताव को खारिज किया। ... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद सिंह जी, मैं आपको बताता हूं कि अगर यहां मंत्री जी मिसलीड करते हैं तो आपका उनके ऊपर विशेषाधिकार का हक बनता है। इस तरह से बात करने से कैसे होगा।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : बिहार विभाजन के प्रस्ताव को बिहार विधानसभा ने खारिज कर दिया।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप पहले मंत्री जी की बात को सुन लीजिए।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, कोई जन विरोधी, नियम विरोधी और संविधान विरोधी काम न करे और बिहार की जनता को आंदोलन करने के लिए बाध्य न करे, यही मेरी प्रार्थना है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not interrupt now.

श्री मदन लाल खुराना : महोदय, संविधान के अनुसार पहले जो राज्य मांग करते हैं,

... (व्यवधान)

इसी विधानसभा ने पहले यह कहा कि यह राज्य बंटना चाहिए। उन्होंने कहा कि वनांचल चाहिए, उन्होंने कहा और उसे माना। उसके बाद केबिनेट ने राष्ट्रपति के पास भेजा। राष्ट्रपति उस राज्य को भेजता है जिस विधानसभा ने कुछ समय पहले यह मांग की कि बिहार का विभाजन होना चाहिए, उसी बिहार ने अपना व्यू बदल दिया और बदल कर केन्द्र को भेजा, उनके मुख्य मंत्री की तरफ से यह आया कि हम अपने व्यू भेज रहे हैं। पावर केन्द्र सरकार की है, केन्द्र का अधिकार है।

... (व्यवधान)

उसके अनुसार मेरा यह कहना है कि जिस समय बिल आएगा उस समय आप अपनी बात कह लीजिए।

... (व्यवधान)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : हमारा यह कहना है कि अगर बिहार के हितों के खिलाफ कुछ भी करेंगे तो वहां बड़ा भारी जन आंदोलन होगा।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, this is not correct. I am on my legs.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: When I am on my legs, you will have to sit down.

The Minister has already responded to it. If you want to say anything on this, there are several methods to say that. There is no need to interrupt.

... (व्यवधान)

>

>

श्री बलराम जाखड़ : महोदय, यह बहुत गंभीर मसला है, यह राष्ट्र की रक्षा का मामला है। मैं इसको तूल नहीं देना चाहता, क्योंकि यह मामला ही ऐसा है जिसमें चिन्ता का विषय बनना चाहिए। अगर मेरी जगह जार्ज साहब होते तो पता नहीं इसके कितने चिथड़े उड़ाते लेकिन मैं इस चीज को इस तरीके से उछालना नहीं चाहता। इस तरीके से हमारे सम्मान का विघटन हो रहा है,

जिस तरह का वैमनस्य पैदा हो रहा है यह अच्छी बात नहीं है।

... (व्यवधान)

श्रीमती आभा महतो (जमशेदपुर) : विघटन नहीं हो रहा है यह छोटे राज्य का निर्माण हो रहा है।

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप शांत रहिये।

श्री बलराम जाखड़ : उसका सिलसिला यह है कि एक कमांड में एक कमांडर और एक फील्ड कमांडर या ऑपरेशन कमांडर होता है। उसके नीचे एक आदमी ऐसा लगा दो जिससे आपसमें लड़ाई हो, तो लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार हो जाती है। हमेशा यह देखा जाता है कि कमांड सही रहनी चाहिए और एक दूसरे के ऊपर कीचड़ नहीं उछालनी चाहिए। यह अंदरूनी बात है और यह आपको करनी चाहिए, देश हित में करनी चाहिए। मैं नहीं चाहता कि हम सदन में इसकी बखिया उधेड़ें। यह चिंता का विषय है और आपको इस पर सोचना चाहिए क्योंकि यह रक्षा का मसला है और रक्षा किसी अकेले की नहीं, सबके लिए है, देश के लिए है। उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो नेवल- हैडक्वार्टर का मसला है इसको ठीक ढंग से निपटाया जाए, नहीं तो यह चिंगारी ऐसी है जो आग लगा सकती है और ऐसी आग किसी के लिए अच्छी नहीं होती है। मैं देश के हित में यह बात कह रहा हूं कि इसको निपटाया जाए और घर में ही बैठकर निपटाया जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 3.20 P.M.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, let the hon. Minister of Communications make a Statement regarding Postal Extra Departmental Agents.

... (Interruptions)